www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

हवा रे हवा चल चल चल, चल मिथिला मे चल : सरस

पटना, 9 नवंबर, 2009 ● अंक-27 ● वर्ष-2

दिल्ली क प्रेस क्लब मे इसमाद कए लोकार्पित करैत सांसद शाहनवाज हुसैन

एकटा सपना छल, जे पूरा भ गेल : शिवनाथ

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार शिवनाथ झा कहलथि अछि जे मैथिली क विकास मे महिलाक आगू भेनाई एकटा शुभ संकेत अछि। झा सोमदिन प्रेस क्लब ऑफ इंडियाक सभागार मे मैथिलीक पहिल इ पेपर क लोकार्पण करबाक बाद सभा कए संबोधित करैत छलाह। श्री झा कहलथि जे आइ बहुत कम लोग अछि जे मिथिला-मिहिर देखने अछि। मैथिली भाषा मे अखबार एकटा सपना रहल जे आइ पूरा भ रहल अछि। ओ कहलथि जे महिला लोकनि कए इ प्रयासक अभिनंदन करबाक चाही। मैथिली एकटा समृद्ध भाषा अछि, मुदा पूंजीक अभाव क कारण एहि भाषा मे अखबार नहि निकली सकल छल। इंटरनेटक माध्यम से पूंजीक आवश्यकता कम भ गेल अछि आ एहन मे मैथिलीक अखबार हमरा लोकनि कए सामने अछि। हमरा पूरा विश्वास अछि जे समाद मिथिलाक आवाज त बनबे करत एकर संग-संग इ देश कए पत्रकारिता मे अपन अलग पहचान कायम करत। श्री झा कहलथि जे समाद एकटा शुरुआत करि देलक अछि, आब एकरा एकर लक्ष्य तक पहुंचेबा लेल हमरा सब कए अपन-अपन योगदान देबाक चाही। हम आशा करैत छी जे समाद हमरा लोकनि लेल अभिव्यक्तिक सशक्त माध्यम बनत।

निज भाषा क उन्नति मे लोकक प्रगति नुकायल अछि : अमिताभ

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री क कहब अछि जे जखन कोनो भाषा क उन्नति क गप कैल जाइत अछि, त एहि पर कतई क्षेत्रवादी नजरिया नहि हेबाक चाही। अग्निहोत्री भारतेन्दु हरिश्चंद्र क ओहि पंक्ति क उल्लेख केलथि, जाहि मे कहल गेल अछि जे निज भाषा क उन्नति मे लोकक प्रगति नुकायल अछि।

'देशबन्धु' के स्थानीय संपादक अमिताभ अग्निहोत्री सोमदिन प्रेस क्लब ऑफ इंडियाक सभागार मे मैथिलीक पहिल इ पेपर क लोकार्पण करबाक बाद सभा कए संबोधित करैत छलाह। ओ कहला जे जखन कोनो भाषा क उन्नति क गप कैल जादत अछि त एकर कतई क्षेत्रवादी नजरिया नहि हेबाक चाही। ओ कहलथि जे छोट-छोट भाषाई समूह क विकास स समाज आ देश क विकास क आधार तैयार भ सकैत अछि। अग्निहोत्री मीडिया क इंटरनेट माध्यम क महत्व क उल्लेख करैत कहला जे इ सस्ता सेहो अछि आओर एकर प्रसार क्षेत्र सेहो असीमित होइत अछि। ओ कहला जे आइ कईटा एहन अखबार अछि जेकर प्रसार संख्या स बेसी ओकर इंटरनेट संस्करण लोक देखैत अछि। एकर सबस पैघ कारण एकर असिमित भौगोलिक सीमा अछि। ओ कहलथि जे राजधानी दिल्ली मे पहिने हिन्दी मीडिया क लोक कए अछूत बूझल जाइत छल, जेकरा हिंदीक पाठक बदलि देलथि अछि आ आब इ कारवां एक कदम आओर आगू आंचालिक भाषा क दिस स बढ़ि चुकल अछि।

ईसमाद पोर्टलक लोकार्पण

भाषा क कोनो जाति या धर्म नहि होइत छैक : शाहनवाज

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री आ सांसद शाहनवाज हुसैन कहला अछि जे मैथिली क उपेक्षा आब आओर नहि कैल जा सकैत अछि।

अपन भावनाक सबस नीक जेकां व्यक्त करबा लेल मातृभाषा स नीक कोनो जरिया नहि होइत अछि। मातृभाषाक सम्मान केला स कोनो आन भाषाक विरोध या अपमान क सवाल नहि अछि। हुनक कहब छल जे मैथिलीक विकास स मिथिला आ बिहारक विकास संभव अछि। शाहनवाज हुसैन सोमदिन प्रेस क्लब ऑफ इंडियाक सभागार मे मैथिलीक पहिल इ पेपर क लोकार्पण करबाक बाद सभा कए संबोधित करैत छलाह। हुसैन कहला जे बिहारक भाषाक रूप मे भोजपुरी पैदल रहल अछि। इ खुशीक गप अछि। मुदा मैथिली क इ पेपर समाद अबै वाला समय मे बिहार स बाहर रहनिहार लोक क इ धारणा बदलत जे बिहार मे मात्र भोजपुरी बाजल जाइत अछि। ओ कहला जे बिहारक अन्य बोलीक सेहो विकास हेबाक चाही। ओना जहां तक मैथिलीक सवाल अछि, इ भारतक सबस मीठ भाषा अछि, साहित्य समृद्ध अछि आइ अखबार सेहो निकलि गेल। आब समाद क जरिए मिथिला क्षेत्र क संस्कृति आ विचार क पहचान क दायरा पैघ होयत। शाहनवाज हुसैन कहला जे देश मे मिथिलांचल एकटा एहन क्षेत्र क रूप मे जानल जाइत अछि, जाहि ठाम धार्मिक छुआछूत नहि अछि।

ओ कहलथि जे कोनो भाषा क कोनो जाति या धर्म नहि होइत छैक आ एहि आधार पर भाष ककरो स कोनो विभेद सेहो नहि करैत अछि। करीब एक घंटा तक धाराप्रवाह मैथिली मे देल अपन संबोधन मे शाहनवाज हुसैन कहला जे देश मे मिथिलांचल एकटा एहन क्षेत्र क रूप मे जानल जाइत अछि, जाहि ठाम धार्मिक छुआछूत नहि नहि अछि।

एहि मौका पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कहला जे अटल बिहारी वाजपेयी क प्रधानमंत्रित्वकाल मे मैथिली कए आठम अनुसूची मे शामिल करबेबा लेल काफी मेहनत करय पड़ल। संयोग स वाजपेयी सरकार मे शाहनवाज एक मात्र एहन कैबिनेट मंत्री छलाह जे मैथिली भाषी छलाह। अन्य बिहारी आ मैथिल मंत्रीक कहब छल जे भोजपुरी कए पहिने शामिल कैल जाए। शाहनवाज हुसैन कहलथि जे आब हमरा सब कए मिल कए भोजपुरी कए सेहो भाषाक दर्जा दिएबाक अछि। हुसैन कहला जे राजधानी दिल्ली मे मैथिलक संख्या लाख से ऊपर अछि, एहन मे हमरा सब कए संगठित रूप स सामने एबाक चाही, जाहि मे समाद परिवार मदद करि सकैत अछि। हुसैन कहलथि जे ओ एकटा पैघ मैथिली सम्मेलन करेबाक योजना बना रहल छथि। जाहि मे मैथिली आ मिथिला स जुड़ल लोक कए एक ठाम अनबाक प्रयास कैल जाइत। ओ कहलथि जे एहि सम्मेलन क जरिए विभिन्न राजनेता, बुद्धिजीवी, अधिकारी, पत्रकार सहित समाज क अन्य लोक कए एकटा मंच पर अनबाक चाही।

पटना मे तेसर रोजगार मेला शुरू

पांच लाख गोटे लेल 45 हजार नौकरी

उज्ज्वल कुमार

पटना। पटना मे तेसर रोजगार मेला शुरू भ गेल। एहि मेला मे देशक की कईटा पैघ कंपनी 25 हजार बेरोजगार नौजवान कए नौकरी बांटत। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एकर उद्घाटन श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल मे केलथि। एहि अवसर पर डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी आ श्रम मंत्री अवधेश नारायण सिंह सेहो उपस्थित छलाह। दू दिवसीय एहि मेला मे एक लाख युवा पटना मे कैंप केने रहलाह। पटना क सड़क पर युवक क फौज देखल गेल। उद्घाटन क मौका पर अवधेश नारायण सिंह कहलथि जे एकर अवधि बढ़ेबाक सोचल जाए।

नियोक्ता बनथि बिहारी युवक

आइ त अहां नौकरी करू, मुदा भविष्य मे अहां दोसर क लेल नौकरीक सृजन करू। रोजगार मेलाक उद्घाटन मे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार युवक कए अपन संदेश मे इ आग्रह केलथि। डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी कहला जे बिहारी युवक कए आईटी एजुकेशन पर ध्यान देबाक चाही। श्रम मंत्री कहला जे बिहारी युवक क स्किल कए विकसित करबा लेल इग्नू क संग मिलकए चारि सौ ट्रेनिंग सेंटर शुरू कैल जा रहल अछि। सबटा आइआइटी मे इंग्लिश आ कंप्यूटर एजुकेशन क व्यवस्था कैल जा रहल अछि।

पिछला साल 2215 लोक कए भेटल छल नौकरी

सेक्टर क लेल अलग-अलग सलेक्शन सेंटर

चैंबर, बीआईए, सीआईआई क सेहो भागीदारी

पिछला दू मेला मे बमुश्किल 2215 गोटे कए नौकरी भेटल अछि। ओहि मेला मे मात्र 65 कंपनी भाग लेने छल, मुदा एहि बेर सवा सौ कंपनी क 25 हजार नौकरी क संग आयल अछि। कंपनीक कहब अछि जे वाकई बिहार मे मेधा अछि। बस दरकार अछि त मौका भेटबाक। श्रम मंत्रालयक प्रधान सचिव व्यास जी कहला जे मंदी क तिलिस्म खत्म भ चुकल अछि, राज्य पर कंपनीक भरोसा बढ़ल अछि।

आउ-पाउ-नौकरी-चाकरी

पटना। देश मे चारूआत मंदी क मारि छल। पहिने स सेहो बेरोजगार क लंबा फौज नौकरी लेल परेशान छल। उम्मीद क सबटा किरण नदारद छल। तैयारी त भ रहल छल, मुदा आवरा कोनो दिस स नहि भेट रहल छल। सब दिन चेहरा पर कालिमा क एक नव लकीर उभरि रहल छल, मुदा कहल जाइत छल जे सब राति क भोर होइत छैक, त शायद सूर्य उगि रहल छथि।

सितंबर-अक्टूबर दिल्ली स इ संकेत आयल छल जे मंदी क असर आब कम भ रहल अछि। जाहिर अछि दिल्ली कहि रहल अछि त ओहि मे सच्चाई त होएत। एखन संकेत आ सच्चाई क आकलन भ रहल छल कि बिहार सरकार मंदी क कम हेबाक असर क घोषणा कए सच साबित करि देलक। जखन चारूआत नैकरीक दिक्कत अछि एहन मे बेरोजगार नौजवान कए पता चल जे ओकरा लेल 25 हजार नौकरी बाजार मे एकसंग आबि चुकल अछि। जाहिर अछि मुंह क कालिमा लालिमा मे बदलए लागल। खुशखबरी इ अछि जे 125 कंपनी करीब 25 हजार नौकरी लए कए आइ पटना मे छथि।

अलग-अलग सेक्टर क लेल अलग अलग चुनाव केंद्र

श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल, गांधी मैदान -इंश्योरेंस आ बैंकिंग सेक्टर

बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन -दंत चिकित्सा आ पारा मेडिकल

यूथ हॉस्टल, फ्रेजर रोड- मैनेजमेंट प्रोफेशन

तारा मंडल- टेक्निकल आ इंजीनियरिंग

बिहार चैम्बर ऑफ कामर्स - कंप्यूटर सॉफ्टवेयर

बांकीपुर गर्ल्स हाई स्कूल- सिक्रेट तरह क जॉब

मिलर हाई स्कूल - रिटेलिंग सेल सेक्टर

अवर प्रादेशिक नियोजनालय, बेली रोड- सिक्यूरिटी गार्ड सुपरवाइजर

बीएन कॉलेज अशोक राजपथ-सेल्स आ मार्केटिंग

आईआईबीएम, बुद्ध मार्ग -लाइब्रेरियन आ बीपीओ सेक्टर

पहिल दिन भेटल एक लाख 20 हजार आवेदन

रोजगार मेला क पहिले दिन लगभग एक लाख 20 हजार आवेदन जमा भेल। सबस बेसी आवेदन बीएन कॉलेज क सेंटर पर जमा भेल। एहिमे भाग लेबा लेल पांच लाख स बेसी युवक पटना मे जमा छथि।

रविदिन पहुंचल सेहो कंपनी

रविदिन दर्जन भरि आओर कंपनी नौकरी ल कए पटना पहुंचल। एहि कंपनीक एलाक बाद कुल नौकरी संख्या 25 हजार स बढ़ि कए 45 हजार तक जा पहुंचल अछि। इ सबटा कंपनी बेंगलुरू स आयल अछि।

उदासीन रहलथि लड़की वर्ग

मेला कए ल कए लड़की वर्ग मे उदासीनता रहलथि। कुल 1.20 लाख आवेदन मे हिनकर भागीदारी महज 20 हजार रहल। एकर पाछु कंपनीक मानब अछि जे एखनो बिहार मे महिला नौकरी करबा लेल मानसिक रूप स तैयार नहि अछि।

गांधी मैदान बनल दलान

एक संग करीब पांच लाख गोटे शहर मे आबि गेलथि अछि। एहि स शहर क पूरा व्यवस्था चरमरा गेल अछि। एकर असर सांझ होइत-होइत गांधी मैदान, पटना जंक्शन आ हनुमान मंदिर सन सार्वजनिक स्थल लोकक दलान बनि चुकल अछि। एकर अलावा कईटा महत्वपूर्ण सड़क क फुटपाथ सेहो आवेदक स पटल अछि। राजधानी क होटल्स क सबटा कोठली पहिने स बुक भ चुकल अछि।

बरौनी-कांटी मे नव उत्पादन केन्द्र लगेबा मे तेजी अनबाक निर्देश

पटना। ऊर्जा विभाग क प्रधान सचिव रविकांत ऊर्जा क्षेत्र मे चलि रहल काज क समीक्षा केलथि। एहि बैठक मे बरौनी-कांटी थर्मल पावर मे नव केन्द्र क स्थापना मे आबि रहल अड़चन कए दूर करि काज मे तेजी अनबाक निर्देश देल गेल। संगे राज्य क अन्य हिस्सा मे नव उत्पादन केन्द्र क लगेबा क लेल चलि रहल काज क विस्तार से जानकारी प्राप्त कएल गेल। ऊर्जा सचिव राजधानी क बिजली आपूर्ति कए नियंत्रित करै वाला स्काडा सेंटर क चालू हेबा मे आबि रहल परेशानी क बारे मे विस्तार स जानकारी लेलथि। जाहि ठाम बोर्ड अधिकारीक कहब छल जे पावर ग्रिड तैयार नहि अछि ओहि ठाम पावर ग्रिड क अधिकारीक कहब छल जे स्काडा सेंटर बनि कए तैयार अछि। पावर ग्रिड क अधिकारी मैनपावर उपलब्ध नहि करेबाक संगहि कई तरहक क आरोप लगाउलाह। ऊर्जा सचिव बोर्ड अधिकारी कए निरीक्षण करबाक निर्देश देलथि।

ऊर्जा सचिव पिछला 31 मार्च कए बंद एपीडीआरपी योजना क प्रथम फेज क काज क सेहो समीक्षा केलाह। बोर्ड अधिकारी कहला जे स्काडा सेंटर, भूमिगत केबलिंग क काज कए रोकल नहि जा सकैत अछि। पावर ग्रिड क अधिकारी ऊर्जा सचिव कए कहला जे भूमिगत केबलिंग क काज जनवरी माह तक पूरा करि लेल जाएत। समीक्षा बैठक मे बिजली बोर्ड क अध्यक्ष स्वपन मुखर्जी, सचिव आरपी श्रीवास्तव, सदस्य आरके शर्मा, पेसू महाप्रबंधक सीएल प्रकाश, एरिया बोर्ड क महाप्रबंधक एसपी सिंह संगे बोर्ड मुख्यालय आ पेसू क अभियंता शामिल छलाह।

धीरे-धीरे सुधर रहल अछि बिहार क आर्थिक सेहत

पटना। प्रदेश क अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे गति पकड़ि रहल अछि। पाछु क कुछ साल मे विकास दर कए बढ़ाव मे सेवा क्षेत्र क सब स अधिक योगदान अछि। विकास दर हालांकि राष्ट्रीय औसत स कम अछि, पर धीमी गति स एकरा आगू बढ़बाक रुझान प्रदेश क उद्यमी कए उत्साहित केलक। पाछु क दस साल क आंकड़ा पर नजर देल जाए त विकास दर बढ़ि क लगभग 5.57 प्रतिशत भ गेल अछि, जबकि ओहिस पहिने इ 3-4 प्रतिशत तक सीमित छएल। मालूम हुए जे विकास क राष्ट्रीय औसत अभी 6-7 प्रतिशत क मध्य रिकार्ड कएल गेल अछि। प्रदेश क 80 प्रतिशत स अधिक आबादी कृषि पर निर्भर रहलाक बावजूद नेट स्टेट डोमेस्टिक प्रोडक्शन (एनएसडीपी) मे एकर योगदान मात्र 35 प्रतिशत अछि। दू बेर लगातार बाढ़ क कारण कृषि क क्षेत्र मे 1.38 प्रतिशत क इजाफा देखल गेल। 55 प्रतिशत क साथ सब स अधिक योगदान सेवा क्षेत्र कए रहल। संचार, बैंकिंग आ बीमा क क्षेत्र मे भेल काज क कारण सेवा क्षेत्र मे तेजी देख क भेटल।

मालूम हुए जे प्रदेश क विकास दर हमेशा स खराब नहि छएल। अस्सी क दशक मे प्रदेश क विकास दर लगभग 5.2 प्रतिशत छएल, जबकि ओहि समय राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत छएल, पर नब्बे क दशक मे राज्य मे विकास दर घटि कए करीब 3.46 प्रतिशत भ गेल। राष्ट्रीय औसत एहि बीच 5.6 फीसदी स बढ़ि कए 6 फीसदी भ गेल। अर्थव्यवस्था क तेज गति प्रदान करै क लेल राज्य सरकार निजी निवेशक कए आकर्षित करबाक प्रयास केलक अछि। पाछु क वित्तीय वर्ष मे करीब 40 हजार करोड़ क 115 निवेश क प्रस्ताव आएल अछि, जकरा राज्य निवेश प्रोत्साहन परिषद सेहो मंजूरी देलाक। एहि स्वीकृत प्रस्ताव कए जमीन पर लेबाक लेल कई स्तर क काज शुरू भ गेल अछि।

निवेशक कए भेटल टैक्स मे दस साल तक छूट

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहला अछि जे बिहार मे निवेश करैवाला कए दस साल तक टैक्स मे छूट देल जाइत। निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण आ औषधीय पौधा क खेती मे निवेश करैवाला कए एकर अतिरिक्त सेहो कई आकर्षक पैकेज देल जा रहल अछि। ओ इ घोषणा एसोसिएटेड चैंबर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज आफ इंडिया (एसोचैम) क अध्यक्ष डॉ स्वाती पीरामल स भेंट क दौरान केलथि। इ मुलाकात मुख्यमंत्री क सरकारी आवास पर भेल। डॉ पीरामल मुख्यमंत्री कए एसोचैम द्वारा तैयार दस्तावेज बिहार विजन 2020 क प्रति सौंपलथि। ओ उद्योग जगत क समक्ष चुनौती क बारे मे सेहो मुख्यमंत्री स चर्चा केलथि। कुमार औद्योगिक विकास क लेल उठाएल जा रहल कदम क जानकारी हुनका देलथि। एसोचैम क निदेशक (जनसंपर्क) कोटेश्वर प्रसाद डोभाल कहलथि जे मुख्यमंत्री औद्योगिक विकास क रणनीति पर मुलाकात क दौरान विस्तार स चर्चा केलथि।

आईटी कए भेटत उद्योग क दर्जा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहला अछि जे राज्य मे सूचना प्रौद्योगिकी क नीति कए अंतिम रूप देल जा रहल अछि। एहि मे एकरा उद्योग क दर्जा देल जाइत आ प्रदेश मे एकर तहत उद्यमी कए विभिन्न प्रकार क रियायत सेहो भेटत। इन्फोकाम 2009-10 क सम्मेलन सह प्रदर्शनी क पटना मे उद्घाटन करैत मुख्यमंत्री कहला जे एहि तरह क आयोजन स प्रदेश मे सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र कए विशेष लाभ भेटत आ बिहार आईटी क क्षेत्र मे ऊंच छलांग लगाउत। ओ कहला जे 13म वित्त आयोग कए बिहार स पठाउल गेल दस्तावेज क न सिर्फ तारीफ भेल, बल्कि अन्य प्रदेश सेहो बिहारक अनुकरण करबा लेल दस्तावेज मांगा रहल अछि। गुणवत्ता क संग रजिस्ट्रेशन क काज करबाक कारण स प्रधानमंत्री द्वारा बिहार कए ई गवर्नेंस क सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार देल गेल अछि। मुख्यमंत्री कहला जे सूचना क अधिकार क तहत देश मे पहिल बेर बिहार द्वारा जानकारी देबाक लेल काल सेन्टर संचालित कैल गेल आ मनरेगा क तहत सेहो बायोमेट्रिक्स आधारित स्मार्ट कार्ड देल जा रहल अछि।

बिहारक जीडीपी आठ प्रतिशत रहबाक अनुमान

पटना। अगिला दशक मे बिहार मे सकल घरेलू उत्पाद आठ प्रतिशत क वृद्धि कए उम्मीद अछि। मुदा सकल घरेलू उत्पाद अगिला दशक मे 1,05,148 करोड़ टका स बढ़ि कए 2,64,781 करोड़ टका भ जाएत। इ उम्मीद एसोचैम जतउलक। एसोचैम क मुताबिक इ वृद्धि बढ़िया प्रशासन स संभव भ सकल। एसोचैम सेहो उम्मीद जतउलक जे विजन 2020 क तहत राज्य प्रगति क रहल अछि। मालूम हुए जे एहि साल 4000 करोड़ टका क निवेश बिहार कए भेटल अछि। दोसर ओर, एकटा चिंता क विषय सेहो अछि जे देशक जीडीपी मे राज्य योगदान कम अछि आ राज्य मे गरीबी क स्तर 42 प्रतिशत अछि। एहि परि विचार करबाक जाए।

बिहारक जीडीपी आठ प्रतिशत रहबाक अनुमान

पटना। अगिला दशक मे बिहार मे सकल घरेलू उत्पाद आठ प्रतिशत क वृद्धि कए उम्मीद अछि। मुदा सकल घरेलू उत्पाद अगिला दशक मे 1,05,148 करोड़ टका स बढ़ि कए 2,64,781 करोड़ टका भ जाएत। इ उम्मीद एसोचैम जतउलक। एसोचैम क मुताबिक इ वृद्धि बढ़िया प्रशासन स संभव भ सकल। एसोचैम सेहो उम्मीद जतउलक जे विजन 2020 क तहत राज्य प्रगति क रहल अछि। मालूम हुए जे एहि साल 4000 करोड़ टका क निवेश बिहार कए भेटल अछि। दोसर ओर, एकटा चिंता क विषय सेहो अछि जे देशक जीडीपी मे राज्य योगदान कम अछि आ राज्य मे गरीबी क स्तर 42 प्रतिशत अछि। एहि परि विचार करबाक जाए।

25 मॉडल कॉलेज कए भेटल हरी झंडी

पटना। राष्ट्रीय औसत स कम सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) वाला प्रदेश क शैक्षिक रूप स पिछड़ल 25 जिला मे माडल कॉलेज खोलबाक प्रस्ताव कए वित्त विभाग हरी झंडी द देलक अछि। प्रत्येक पर आठ करोड़ क लागत आयत। इ सबटा कॉलेज अंगीभूत होयत आ पांच साल क उपरांत एकरा स्वायत्तता देबाक प्रस्ताव अछि। मॉडल हेबाक तात्पर्य इ अछि जे एहि मे व्यावसायिक शिक्षा पर अधिक जोर रहत।

केन्द्र प्रायोजित योजना क तहत देश क 374 शैक्षिक रूप स पिछड़ल जिला मे जतय जीईआर कम अछि, ओहि ठाम डिग्री कॉलेज खोलबाक अछि। प्रदेश क 38 मे स 25 जिला शैक्षिक रूप स पिछड़ अछि, जाहि ठाम सकल नामांकन अनुपात 12.4 क राष्ट्रीय औसत स कम अछि। पिछला माह मानव संसाधन विकास विभाग क प्रधान सचिव अंजनी कुमार सिंह एहि संबंध मे दिल्ली मे आयोजित बैठक मे भाग लेने छलाह। एहि माडल कॉलेज मे स प्रत्येक क स्थापना पर राज्य सरकार 5.33 करोड़ आ केन्द्र सरकार 2.67 करोड़ क राशि देत। प्रत्येक कॉलेज पर हर वर्ष होइवाला 1.5 करोड़ क रेकरिंग खर्च क वहन पूर्ण रूप स राज्य सरकार करत। वित्त विभाग राज्य सरकार क दिस स एहि 25टा कॉलेज क स्थापना आ संचालन मे खर्च होइवाला राशि कए मंजूरी द देलक अछि। ओहन जिला मे जाहि ठाम अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति आ अनुसूचित जन जाति क कुल संख्या जिला क कुल आबादी क 20 प्रतिशत स बेसी अछि, ओहि ठाम इ कॉलेज पहिने खोलल जाइत। किशनगंज , अररिया , शिवहर (6 प्रतिशत), पश्चिम चंपारण (6.3 प्रतिशत), सुपौल(6.7 प्रतिशत), पूर्वी चंपारण (6.9 प्रतिशत), जमुई (6.9 प्रतिशत), सीतामढ़ी (7.1 प्रतिशत), गोपालगंज (7.5 प्रतिशत), कटिहार (7.5 प्रतिशत), मधेपुरा (8.3 प्रतिशत), बांका (8.4 प्रतिशत), समस्तीपुर (8.8 प्रतिशत), पूर्णिया (8.9 प्रतिशत), खगड़िया (9 प्रतिशत), लखीसराय (10.1 प्रतिशत), नवादा (10.4 प्रतिशत), सिवान (10.4 प्रतिशत), सहरसा(10.06 प्रतिशत), मधुबनी(10.7 प्रतिशत), कैमूर(11.2 प्रतिशत), दरभंगा(11.3 प्रतिशत), बेगूसराय(12 प्रतिशत), औरंगाबाद(12.2 प्रतिशत) आ वैशाली(13.3 प्रतिशत जीईआर) मे इ कॉलेज खोलल जाइत।

गोवा क बाद बिहार बनल विदेशी पर्यटक क मनपसंद राज्य

नई दिल्ली। देसी-विदेशी पर्यटक क लेल आकर्षण क केंद्र रहल गोवा आ बिहार मे समानता! इ सवाल कनि अटपट लगैत अछि। दरअसल बिहार जेना बदलि रहल अछि ताहि मे एहन समाचार सुनबा लेल आब हमरा सब कए तैयार रहबाक अछि।

इ कोनो संभावना या उम्मीदक आधार पर नहि कहल जा रहल अछि। आंकड़ा बता रहल अछि जे अहां आब अपन बिहार पर गर्व कए सकैत छी। अपहरण, अपराध आ चोरी-छिनतई लेल कुख्यात रहल बिहार आइ पाहुनक सत्कार मे लागल अछि। पिछला साल विदेशी पर्यटक कए गोवा क बराबर बिहार आकर्षित केलक। जाहिर अछि जे राज्य सरकार पर्यटन क जरिए बिहार क छवि बदलबाक घोषणा करि सकैत अछि। बौद्ध सर्किट आ जैन सर्किट क केंद्र मे रहल बिहार महसूस करि लेलक अछि जे राज्य मे धार्मिक पर्यटन क आधार पर विकास भ सकैत अछि। लिहाजा राज्य सरकार सूफी सर्किट, सिख सर्किट आ रामायण सर्किट जइसन माध्यम कए तलाशब शुरू करि देलक अछि। शायद एकरे सहारे बिहार आब एक मायने मे गोवा से आगू बढ़बा लेल तैयार अछि। बिहार पर्यटन क मुख्य सचिव रश्मि वर्मा कहलथि जे वर्ष 2008 मे जतय गोवा मे 3.54 लाख विदेशी पर्यटक अइलथि, ओतहि बिहार मे गोवा स मात्र नौ हजार कम पर्यटक अइलथि। बिहार मे विदेशी पर्यटक क संख्या 3.46 लाख रहल। ओ दावा केलथि जे अगिला साल बिहार पर्यटन क सहारे अव्वल भ सकैत अछि।

अंक- 27, साल- 2, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह, समाचार संपादक : प्रीतिलता मल्लिक, फोटो संपादक सारिका झा। (खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com